Supplement—II Regd. No. CHD/0093/2015–2017

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 50-2017] CHANDIGARH, TUESDAY, DECEMBER 12, 2017 (AGRAHAYANA 20, 1939 SAKA)

General Review

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की वर्ष 2016–17 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 28 नवम्बर, 2017

नं० S&T/AAR/2017/2199.—

(i) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने अपनी गतिविधियों के संचालन पर प्लान स्कीम के अन्तर्गत 2535.45 लाख रूपए और नॉन–प्लान स्कीम के अन्तर्गत 312.40 लाख रूपये की राशि खर्च की।

(ii) राज्य के दो वैज्ञानिकों को विदेशो में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला/सम्मलेन में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए 50,000/– रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की।

(iii) विभाग ने राज्य के स्कूल विद्याार्थियों के लिए जिला, जोन व राज्य स्तर पर 'विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं' आयोजित की।

(iv) विभाग ने कॉलेज विद्यार्थियों के लिए जिला, जोन व राज्य स्तर पर 'विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं' आयोजित की।

(v) स्कूल एवं कालेज के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान निबन्ध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

(vi) कुरुक्षेत्र में विज्ञान सम्मेलन एवं स्वर्ण जंयती विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। इन सम्मेलन में प्रख्यात वैज्ञानिकों को विद्यार्थियों के साथ संवाद करने के लिए बुलाया गया।

(vii) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फेलोशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत 8 विद्यार्थियों को फेलोशिप के लिए चुना गया।

(viii) विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने बारे छात्रवृति स्कीम के अन्तर्गत 2–वर्षीय एम.एस.सी. (प्रथम वर्ष) के 54 विद्यार्थियों एवं 3–वर्षीय बी.एस.सी/4–वर्षीय बी.एस./5–वर्षीय समन्वित एम.एस.सी./एम.एस. (प्रथम वर्ष) के 148 विद्यार्थियों का चयन किया गया। इसके अतिरिक्त पिछले वर्षों के दौरान चुने गए विद्यार्थियों को उनकी योग्यता अनुसार छात्रवृति जारी रखी गई।

(ix) चार अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं अनुदान के लिए स्वीकृत की गई।

(x) वर्ष 2012–13, 2013–14 व 2014–15 के हरियाणा विज्ञान रत्न एवं हरियाणा युवा विज्ञान रत्न पुरस्कारों के लिए वैज्ञानिकों का चयन किया गया।

(xi) जिला नवाचार निधि योजना के अन्तर्गत हरियाणा राज्य में सभी विभागों/बोर्डस एवं निगमों के प्रमुखें से, राज्य के सभी उपायुक्तों से और राज्य विश्वविद्यालयों के सभी कुलपतियों से दस करोड़ रूपये तक के नवाचार परियोजना प्रस्ताव आमंत्रित किये गये।

(xii) विभाग ने दो संस्थाओं में सेमिनार/कार्यशाला के आयोजन के लिए 50,000/– रूपये की राशि प्रदान की।

(xiii) विभाग ने राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले मेधावी छात्रों के लिए दो एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया।

(xiv) हरियाणा विज्ञान मंच, रोहतक को बाल विज्ञान काग्रेंस व क्षेत्रीय विज्ञान कार्यशालाओं के आयोजन के लिए 10,59,000/– रुपये की राशि प्रदान की।

(xv) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2016 मनाने के लिए 8 पॉलिटेक्निक/औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और 12 इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी विभाग को 3.20 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की।

(xvi) खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी पर 10वीं अंतरराष्ट्रीय ओलम्पियाड में रजत पदक जीतने के लिए एक विद्यार्थी को 3.00 लाख रुपये और प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया।

(xvii) हरियाणा विज्ञान प्रतिभा खोज छात्रवृति योजना के अंतर्गत 1,000 छात्रों के चयन के लिए एस.सी.ई.आर.टी., गुरुग्राम ने एन.टी.एस.सी. पहले स्तर की परिक्षा आयोजित की।

(xviii) सोनीपत में सांइस सिटी की स्थापना के लिए विभाग ने दीन बन्धु राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल की सीमा के साथ लगती हुई लगभग 45 एकड़ भूमि की पहचान की।

(xix) अंबाला में उप क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र की स्थापना के लिए वार हिरोज मेमोरियल के साथ 5 एकड़ भूमि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा के नाम पर पंजीकृत की गई।

(xx) विज्ञान क्लब योजना के तहत 1 व 2 दिसम्बर, 2016 को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् गुड़गाँव में राज्य स्तरीय विज्ञान मेला व स्कूलों के बीच विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

(xxi) परिषद् ने राज्य के नौ विश्वविद्यालयों में बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम के कार्यान्वन हेतू, 30,000/– रूपये प्रति विश्वविद्यालय राशि जारी की।

(xxii) वर्ष के दौरान कल्पना चावला स्मारक तारामण्डल, कुरूक्षेत्र में नियमित शो दिखाए गए एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की गई। वर्ष के दौरान 1,44,594 दर्शकों ने तारामण्डल का भ्रमण किया एवं टिकट की बिक्री से 32,91,595/– रुपए का राजस्व अर्जित किया।

(xxiii) पादप जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र में साजोसामान से युक्त प्लांट टिशु कल्चर प्रयोगशालाएं हैं। यह केन्द्र टिशु कल्चर तकनीक से विभिन्न प्रजातियों के पौधे विकसित कर रहा है। केन्द्र ने वर्ष के दौरान कल 3,21,302/– रुपये का राजस्व अर्जित किया।

(xxiv) हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित परियोजनाओं पर कार्य कियाः–

- उपग्रह, मौसम व जमीनी आधार पर एकत्रित आंकड़ो द्वारा फसलों के उत्पादन का पूर्वानुमान व कृषि सूखा का अध्ययन।
- हरियाणा में धान व गेहूं पुवाल जलाने वाले क्षेत्रों का आंकलन।
- अन्तरिक्ष तकनीकी व भौगोलिक सूचना प्रणाली द्वारा फसल बीमा मूल्यांकन।
- भू–स्थानिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग से एकीकृत जल विभाजक प्रबंधन कार्यक्रम (आई.डब्ल्यू.एम.पी.) जल विभाजक की निगरानी।
- विकेन्द्रीकृत योजना के लिए अन्तरिक्ष आधारित सूचना प्रणाली (एस.आई.एस.डी.पी.)।
- पंचायती राज संस्थाओं का स्थानिक रुप से सशक्तिकरण।
- राष्ट्रीय भूमि उपयोग भूमि कवर विश्लेषण तीसरा चक्र परियागजना–(1:50,000 मापक)।
- रेशम के विकास में सुदूर संवेदन और जी.आई.एस. का अनुप्रयोग : द्वितीय चरण।
- हरियाणा राज्य में जल शोधन प्रणाली का वैज्ञानिक मूल्यांकन (द्वितीय चरण–चयन, स्थापना और आंकलन)।
- हरियाणा में सरकारी उच्च शिक्षा संस्थान का जीआईएस डाटाबेस निर्माण।

- हरियाणा के वेटलैंड एटलस की तैयारी।
- हरियाणा के सरकारी व निजी आई.टी.आई. का जी.आई.एस. डाटाबेस निर्माण।
- हरियाणा में शैक्षिक संस्थानों के जी.आई.एस. मैपिंग।
- हरियाणा के यमुना नगर, कुरूक्षेत्र और कैथल जिले के कैडस्ट्रल डेटा पर पेलिओचैनल्स सुपरईपोज़िशन।
- हरियाणा के निचले क्षेत्रों के 1:50,000 पैमाने पर नक्शे तैयार करना।
- अंबाला, गुरूग्राम, रोहतक, कालांवाली, सिरसा, सांपला, महम, सोहना शहर की अनाधिकृत कॉलोनियों का सर्वेक्षण।
- सोहना (ग्रेटर गुरूग्राम) के लिए उड़ान परियोजना।
- नगर निगम गुरूग्राम के लिए भू–स्थानिक अनुप्रयोग।
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्र का मानचित्रण।
- नगर निगम, गुरूग्राम सीमा के तहत कर योग्य संपत्ति के उपग्रह चित्रों द्वारा चित्रण।
- राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकरण कार्यक्रम (प्रशिक्षण केन्द्र)।
- गुरुग्राम में जल प्रवेश और फ्लैश बाढ़ का प्रबंधन।
- जिला भू–स्थानिक प्रयोगशाला के लिए स्थानिक अनुप्रयोग।
- बंजर भूमि की स्थिति का मानचित्रण (द्वितीय चक्र)।
- हरियाणा में वन क्षेत्रों की भू–मैपिंग।
- राष्ट्रीय भूमि की गिरावट में परिवर्तन की पहचान।
- हरियाणा स्थानिक डेटा अवसंरचना का विकास।
- बेकार भूमि बदलाव विश्लेषण परियोजना।
- प्रशिक्षण व तकनीकी क्षमता विकास कार्यक्रम।
- गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के सहयोग भौगोलिक सूचना प्रणाली में एम.टेक. कोर्स।

वी० एस० कुंडू०,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग।

REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY DEPARTMENT FOR THE YEAR 2016-17

The 28th November, 2017

S&T/AAR/2017/2199.—

(i) The Science and Technology department incurred an expenditure of Rs. 2535.45 lacs under plan scheme and Rs. 312.40 lacs under non-plan scheme for implementing its activities.

(ii) The financial assistance of Rs.50,000/- was provided to two scientists of the state for presenting their paper in the international conference/seminar held abroad.

(iii) The Department organized science quiz competitions for school students at district, zonal and state level.

(iv) The Department also organized Science quiz Competition for college students at district, zonal and state level.

(v) Science essay writing competitions for school and college students were organized.

(vi) Science conference & Swarn Jayanti Science Fair was organized at Kurukshetra. In this event eminent scientists were invited to interact with the students.

(vii) 8 Students were selected for fellowship under HSCST fellowship programme.

(viii) 54 Students of 2-Yr. M.Sc. and 148 students of 3-Yr. B.Sc./4-Yr. B.S./5-Yr. Integrated M.Sc/M.S. were selected for scholarships under promotion of Science Education (POSE) scholarship scheme. Besides, the scholarships were renewed as per eligibility of the students selected during the previous years.

(ix) Four Research & Development projects were approved for Grant-in-Aid.

(x) Scientists were selected for Haryana Vigyan Ratna Award and Haryana Yuva Vigyan Ratna award for the year 2012-13, 2013-14 & 2014-15.

(xi) Innovative project proposal up to rupees ten crores were invited under District Innovation Fund from all Head of the Department/Boards & corporations in the State of Haryana, all Deputy Commissioners in the State of Haryana and all Vice Chancellors of State Universities.

(xii) Financial assistance amounting to Rs. 50,000/- was provided to two institute for organization of seminars/workshop/conference.

(xiii) Two exposure visits were organized for the meritorious students studying in Govt. schools of the state.

(xiv) An amount of Rs. 10,59,000/- was released to Haryana Vigyan Manch, Rohtak for organization of Children Science Congress and Regional Workshops.

(xv) For Celebration of National Technology Day- 2016 financial assistance amounting to Rs. 3.20 lacs was provided to 8 Polytechnics/ITI & 12 engineering colleges/university department of engineering of the State.

(xvi) One student was honored with prize of Rs. 3.00 lac and certificate of appreciation for winning Silver Medal in the "10th International Olympiad on Astronomy & Astrophysics".

(xvii) For selecting 1,000 students under Haryana Science Talent Search Scholarship scheme SCERT, Gurugram conducted NTSE stage-I examination.

(xviii) For setting up of Science City in Sonepat about 45 acre land adjoining the boundary wall of DCRUST Murthal was identified.

(xix) For setting up Sub Regional Science Centre at Ambala land of 5 acres adjoining the site of War Heroes Memorial at Ambala was registered in the name of S&T Department, Haryana.

(xx) Under Science Club scheme, State Level Science Fair and Interschool Science Contest was organized on 1st & 2nd December, 2016 at State Council of Educational Research & Training (SCERT) Gurugram.

(xxi) S&T Council released Rs. 30,000/- each to nine State universities for implementation of Intellectual Property Right sensitization programmes.

(xxii) Regular shows and educational activities were organized at the Kalpana Chawla Memorial Planetarium, Kurukshetra. 1,44,594 visitors visited the Planetarium and revenue of Rs. 32,91,595/- was generated through sale of ticket.

(xxiii) The Centre for Plant Biotechnology has well equipped plant tissue culture laboratories and it is engaged in the production of elite germplasm of several crops through tissue culture technique. The centre has generated total revenue of Rs. 3,21,302/- lacs during the year under report.

(xxiv) Haryana Space Application Centre (HARSAC), Hisar has taken up the following major projects during the year:-

- Forecasting agricultural output using space, agro-meteorology and land based observation & national agricultural drought management system (FASAL & NADAMS.)
- Area Estimation of Rice and Wheat stubble burning in Haryana.
- C(K)rop Insurance using Space Technology And geoiNformatics (KISAN).
- Monitoring of integrated watershed management programme (IWMP) watersheds using geospatial technologies.
- Space based information support for decentralized planning (SIS-DP)
- Empowering panchayati raj institutions spatially (EPRIS).
- National land use land cover analysis- Third cycle project (1:50,000 Scale).
- Applications of remote sensing and GIS in sericulture development-Phase II.
- Scientific evaluation of water purification systems in state of Haryana (Phase-II: selection, installation & assessment).
- GIS database creation of Govt. Higher Education Institutions in Haryana.
- Preparation of wetland atlas of Haryana.
- GIS database creation of Govt. and private ITI's in Haryana.
- GIS mapping of educational institutes in Haryana.
- Palaeochannels superimposition on cadastral data of Yamunanagar, Kurukshetra and Kaithal districts of Haryana.
- Preparation of low lying area maps of Haryana on 1:50,000 scale.
- Survey of unauthorized colonies of Ambala, Gurugram, Rohtak, Kalanwali, Sirsa, Sampla, Meham, Sohna Towns.
- Project UDDAN for Sohna (Greater Gurugram).
- Geospatial applications for Municipal Corporation, Gurugram.
- Delineation of natural conservation zones (NCZ) in national capital region (NCR).
- Feature extraction from satellite images of taxable property under Municipal Corporation, Gurugram Limit.
- National land records modernization program (NLRMP)-cell/centre.
- Managing water logging and flash flood in Gurugram.
- Geospatial applications for district geo spatial Lab.
- Desertification status mapping (Cycle II).
- Digitization of forest boundaries in Haryana.
- National land degradation change detection.
- Development of Haryana spatial data infrastructure (HSDI).
- Waste land change analysis project.
- Training and capacity building programmes.
- M. Tech. (Geo-informatics) programme in collaboration with G.J.U. S&T Hisar.

V. S. KUNDU,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Science and Technology Department.

55834—C.S.—H.G.P., Chd.